THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS

(C. 600 BCE - 600 CE)

HISTORY
THEM 04

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्वृफतिक विकास

(ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

01

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

The sources that historians use to reconstruct this exciting world of ideas and beliefs include Buddhist, Jaina and Brahmanical texts, as well as a large and impressive body of material remains including monuments and inscriptions.

इन रोमांचक विचारों और विश्वासों की दुनिया के पुनर्निर्माण के लिए इतिहासकार जिन स्रोतों का इस्तेमाल करते हैं उनमें बौद्ध, जैन और बाह्मण ग्रंथों के अलावा इमारतों और अभिलेखों जैसे प्रभूत मात्रा में उपलब्ध भौतिक साक्ष्य भी शामिल हैं।

A sculpture from Sanchi

साँची की एक मूर्ति

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Sanchi in the nineteenth century

The most wonderful ancient buildings in the state of Bhopal are at Sanchi Kanakhera, a small village under the brow of a hill some 20 miles north-east of Bhopal which we visited yesterday.

साँची उन्नीसवीं सदी में

भोपाल राज्य के प्राचीन अवशेषों में सबसे अद्‌भुत साँची कनखेड़ा की इमारतें हैं। भोपाल से बीस मील उत्तर-पूर्व की तरफ़ एक पहाड़ी की तलहटी में बसे इस गाँव को हम कल देखने गए थे।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

We inspected the stone sculptures and statues of the Buddha and an ancient gateway ... The ruins appear to be the object of great interest to European gentlemen. Major Alexander Cunningham ... stayed several weeks in this neighbourhood and examined these ruins most carefully

हमने पत्थर की वस्तुओं, बुद्ध की मूर्तियों और एक प्राचीन तोरणद्वार का निरीक्षण किया... ये अवशेष यूरोप के सज्जनों को विशेष रुचिकर लगते हैं जिनमें मेजर अलेक्ज़ैंडर कनिंघम एक हैं। मेजर अलेक्ज़ैंडर कनिंघम ने... इस इलाके में कई हफ्तों तक रुक कर इन अवशेषों का निरीक्षण किया।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Shahjehan Begum

शाहजहाँ बेगम

He took drawings of the place, deciphered the inscription, and bored shafts down these domes. The results of his investigations were described by him in an English work ... FROM SHAHJEHAN BEGUM, NAWAB OF BHOPAL (ruled 1868-1901), Taj- ul Iqbal Tarikh Bhopal (A History of Bhopal), translated by H.D. Barstow, 1876.

उन्होंने इस जगह के चित्र बनाए, वहाँ के अभिलेखों को पढ़ा और और गुंबदनुमा ढाँचे के बीचोंबीच खुदाई की। उन्होंने इस खोज के निष्कर्षों को एक अंग्रेज़ी पुस्तक में लिखा है... भोपाल की नवाब (शासनकाल 1868.1901), शाहजहाँ बेगम की आत्मकथा ताज-उल-इकबाल तारीख भोपाल (भोपाल का इतिहास) से। 1876 में एच.डी. बार्स्टो ने इसका अनुवाद किया।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Europeans were very interested in the stupa at Sanchi

यूरोपियों में साँची के स्तूप को लेकर काफ़ी दिलचस्पी थी।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

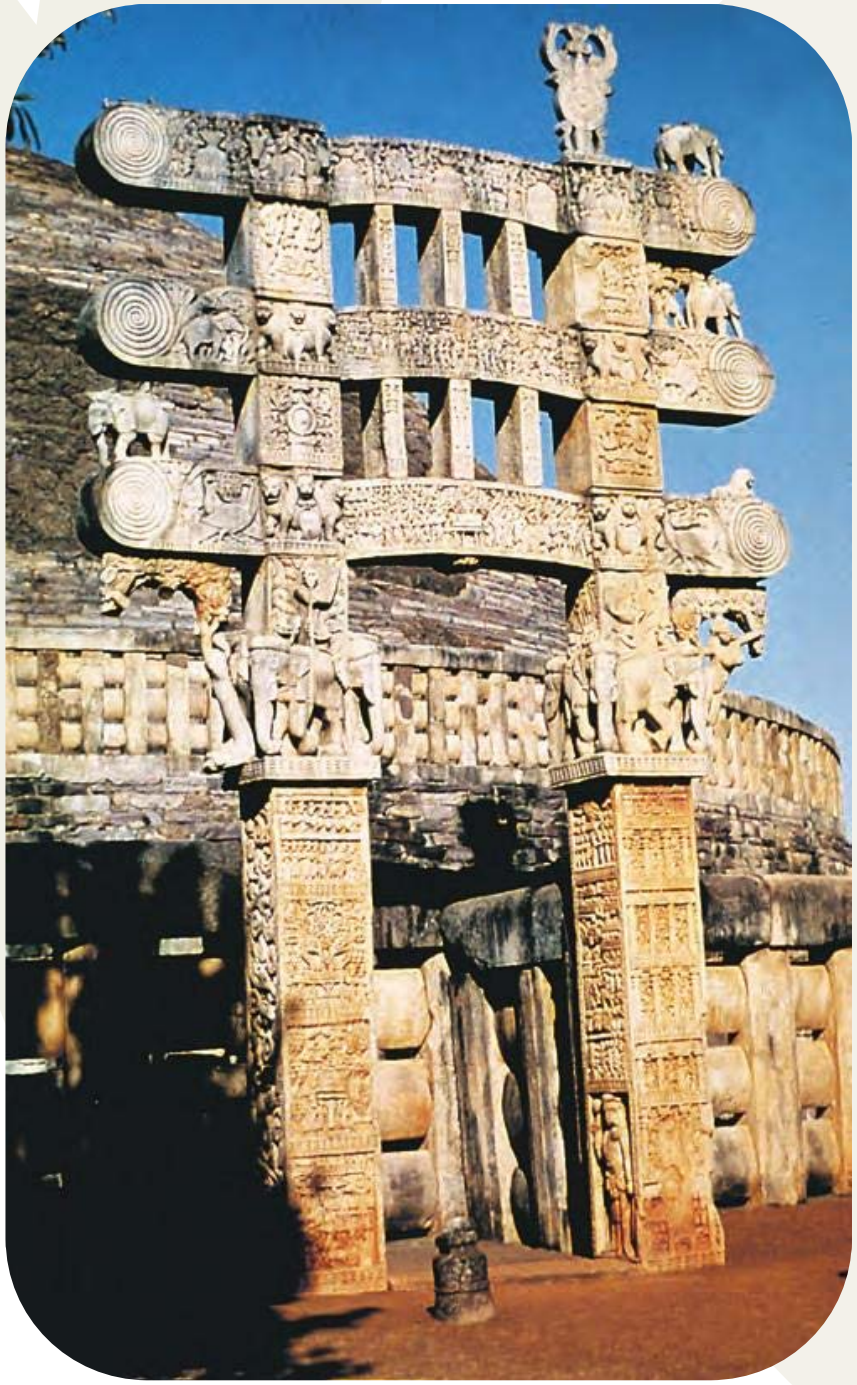

French sought Shahjehan Begum's permission to take away the eastern gateway, which was the best preserved, to be displayed in a museum in France

फ्रांसीसियों ने सबसे अच्छी हालत में बचे साँची के पूर्वी तोरणद्वार को फ्रांस के संग्रहालय में प्रदर्शित करने के लिए शाहजहाँ बेगम से फ्रांस ले जाने की इजाज़त माँगी।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

French and the English were satisfied with carefully prepared plaster-cast copies and the original remained at the site, part of the Bhopal state.

फ्रांसिसी और अंग्रेज़ दोनों ही बड़ी सावधानी से बनाई प्लास्टर प्रतिकृतियों से संतुष्ट हो गए। इस प्रकार मूल कृति भोपाल राज्य में अपनी जगह पर ही रही।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Shahjehan Begum

शाहजहाँ बेगम

Rulers of Bhopal, Shahjehan Begum and her successor Sultan Jehan Begum, provided money for the preservation of the ancient site.

भोपाल के शासकों, शाहजहाँ बेगम और उनकी उत्तराधिकारी सुल्तानजहाँ बेगम, ने इस प्राचीन स्थल के रख-रखाव के लिए धन का अनुदान दिया।

She funded the museum that was built there

सुल्तानजहाँ बेगम ने वहाँ पर एक संग्रहालय और अतिथिशाला बनाने के लिए अनुदान दिया।

She also funded the publication of the volumes.

इस पुस्तक के विभिन्न खंडों के प्रकाशन में भी सुल्तानजहाँ बेगम ने अनुदान दिया।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Discovery of Sanchi has vastly transformed our understanding of early Buddhism.

बौद्ध धर्म के इस महत्वपूर्ण केंद्र की खोज से आरंभिक बौद्ध धर्म के बारे में हमारी समझ में महत्वपूर्ण बदलाव आए।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

The Great Stupa at Sanchi If you travel from Delhi to Bhopal by train, you will see the majestic stupa complex on top of a hill, crowning it as it were.

साँची का महान स्तूप यदि आप दिल्ली से भोपाल की रेलयात्रा करेंगे तो आप एक पहाड़ी के ऊपर एक मुकुट जैसे इस खूबसूरत स्तूप को देखेंगे।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

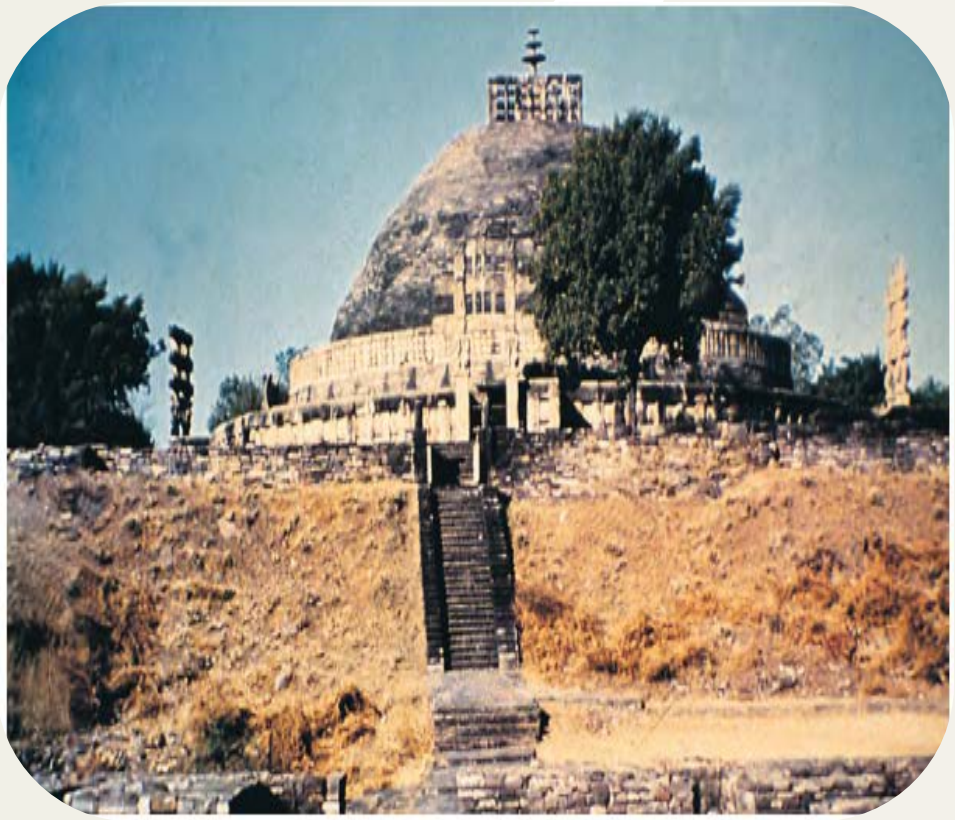

If you request the guard he will stop the train at the little station of Sanchi for two minutes – enough time for you to get down. As you climb up the hill you can see the complex of structures: a large mound and other monuments including a temple built in the fifth century

यदि आप गार्ड को सूचित करेंगे तो वह साँची के छोटे से स्टेशन पर दो मिनट के लिए गाड़ी को रोक देंगे – बस इतना समय कि आप गाड़ी से उतर जाएँ। पहाड़ी पर चढ़ते हुए आप पूरे स्तूप समूह को देख सकते हैं – एक विशाल गोलार्ध ढाँचा और कई दूसरी इमारतें जिनमें पाँचवीं सदी में बना एक मंदिर भी शामिल है।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

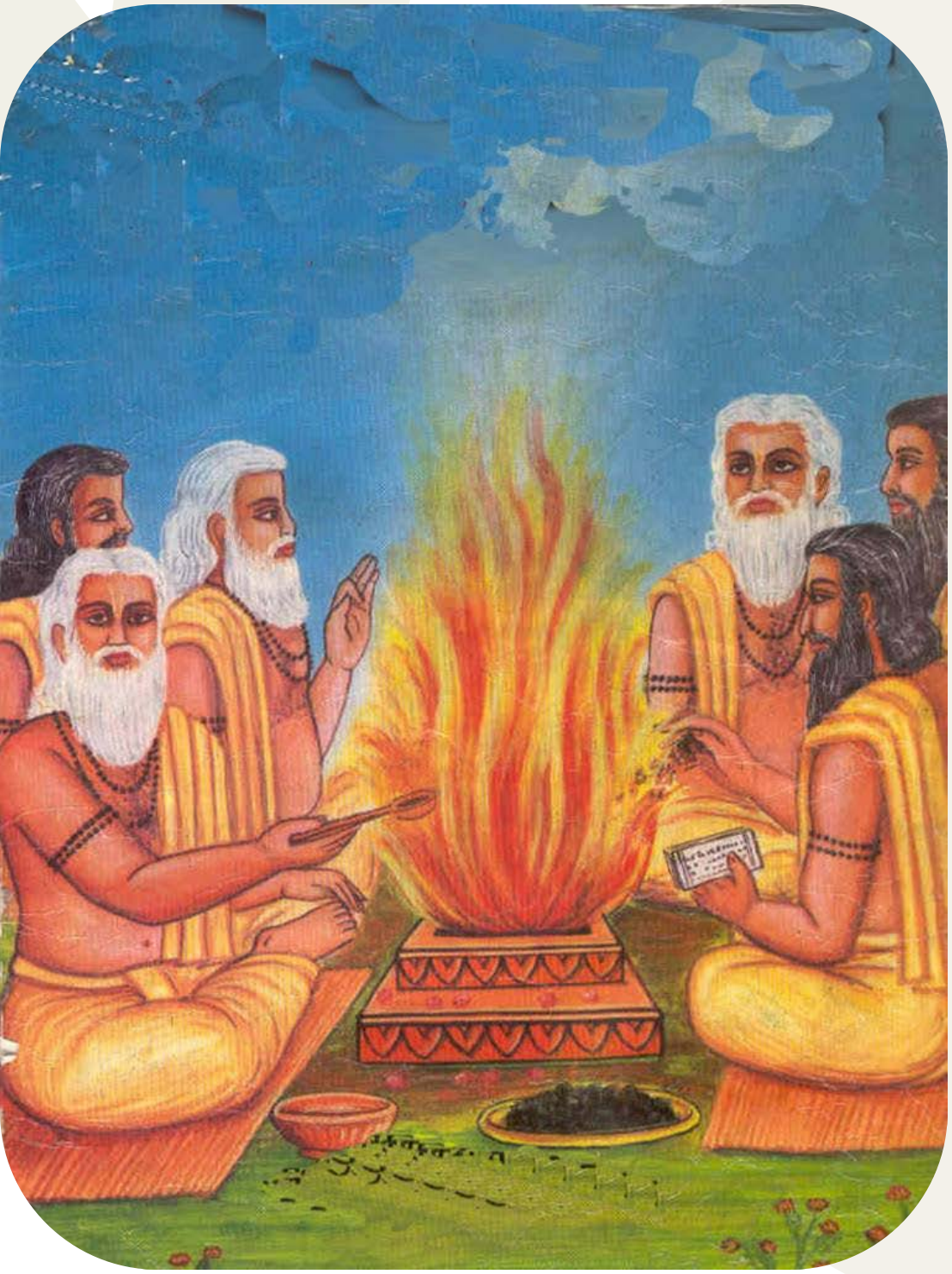

A prayer to Agni

Here are two verses from the Rigveda invoking Agni, the god of fire, often identified with the sacrificial fire, into which offerings were made so as to reach the other deities:

अग्नि की प्रार्थना

यहाँ पर ऋग्वेद से लिए गए दो छंद हैं जिनमें अग्निदेव का आह्वान किया गया है :

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Bring, O strong one, this sacrifice of ours to the gods, O wise one, as a liberal giver. Bestow on us, O priest, abundant food. Agni, obtain, by sacrificing, mighty wealth for us.

हे शक्तिशाली देव, आप हमारी आहुति देवताओं तक ले जाएँ। हे बुद्धिमंत, आप तो सबके दाता हैं। हे पुरोहित, हमे खूब सारे खाद्य पदार्थ दें।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Procure, O Agni, for ever to him who prays to you (the gift of) nourishment, the wonderful cow. May a son be ours, offspring that continues our line ...

हे अग्नि यज्ञ के द्वारा हमारे लिए प्रचुर धन ला दें। हे अग्नि, जो आपकी प्रार्थना करता है उसके लिए आप सदा के लिए पुष्टिवर्धक अद्भुत गाय ला दें। हमें एक पुत्र मिले जो हमारे वंश को आगे बढ़ाए...

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Verses such as these were composed in a special kind of Sanskrit, known as Vedic Sanskrit. They were taught orally to men belonging to priestly families.

इस तरह के छंद एक खास तरह की संस्कृत में रचे गए थे जिसे वैदिक संस्कृत कहा जाता था। ये स्रोत पुरोहित परिवारों के लोगों को मौखिक रूप में सिखाए जाते थे।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Emergence of thinkers such as Zarathustra in Iran, Kong Zi in China, Socrates, Plato and Aristotle in Greece, and Mahavira and Gautama Buddha, among many others, in India

इस काल में ईरान में जरथुस्त्र जैसे चिंतक, चीन में खुंगत्सी, यूनान में सुकरात, प्लेटो, अरस्तु और भारत में महावीर, बुद्ध और कई अन्य चिंतकों का उद्भव हुआ। उन्होंने जीवन के रहस्यों को समझने का प्रयास किया।

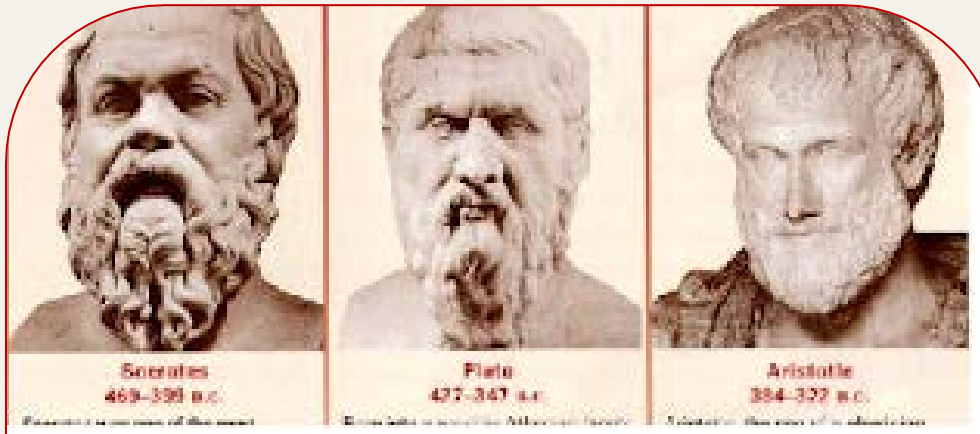

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Tried to understand the mysteries of existence and the relationship between human beings and the cosmic order.

वे इनसानों और विश्व व्यवस्था के बीच रिश्ते को समझने की कोशिश कर रहे थे।

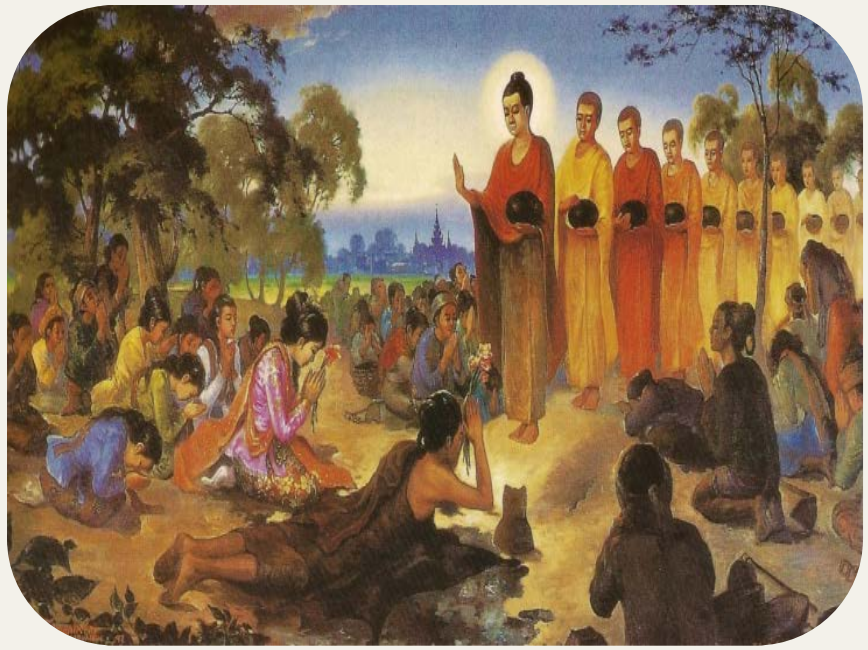

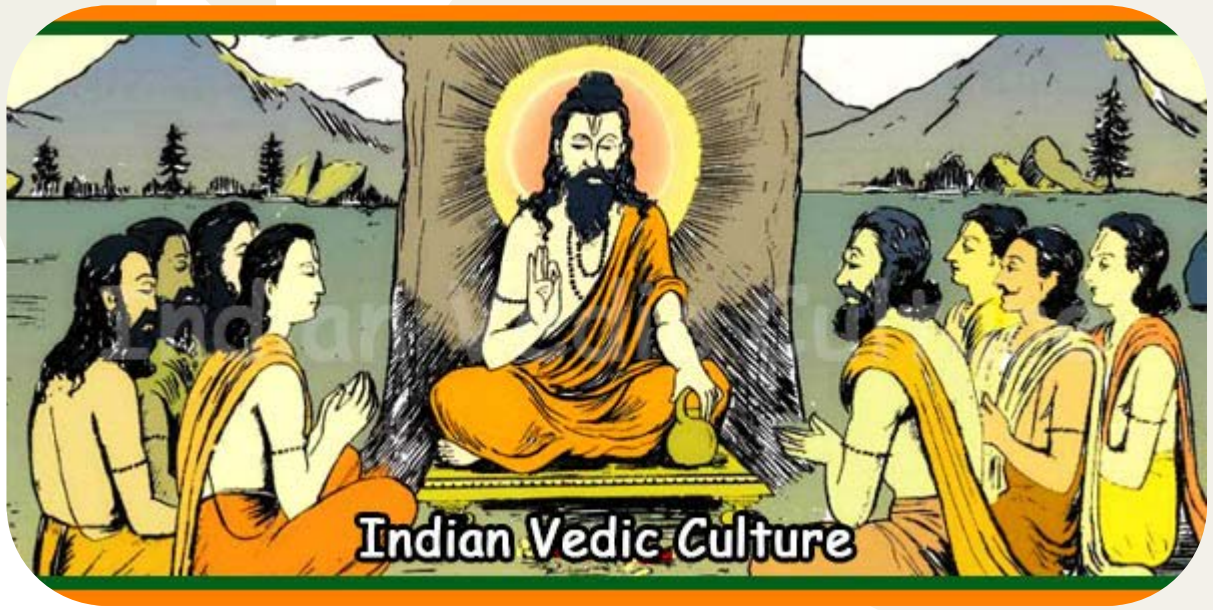

Pre-existing traditions

धाराएँ प्राचीन युग

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (c. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Rigveda, compiled between c.1500 and 1000 BCE. The Rigveda consists of hymns in praise of a variety of deities, especially Agni, Indra and Soma

1500 से 1000 ईसा पूर्व में संकलित ऋग्वेद से मिलती है, वैसी ही एक प्राचीन परंपरा थी। ऋग्वेद अग्नि, इंद्र, सोम आदि कई देवताओं की स्तुति का संग्रह है।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Sacrifices were performed collectively.

यज्ञ सामूहिक रूप से किए जाते थे।

Rajasuya and ashvamedha, were performed by chiefs and kings who depended on Brahmana priests to conduct the ritual.

राजसूय और अश्वमेध जैसे जटिल यज्ञ सरदार और राजा किया करते थे। इनके अनुष्ठान के लिए उन्हें ब्राह्मण पुरोहितों पर निर्भर रहना पड़ता था।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Upanishads show that people were curious about the meaning of life, the possibility of life after death, and rebirth.

उपनिषदों (छठी सदी ई.पू. से) में पाई गई विचारधाराओं से पता चलता है कि लोग जीवन का अर्थ, मृत्यु के बाद जीवन की संभावना और पुनर्जन्म के बारे में जानने के लिए उत्सुक थे।

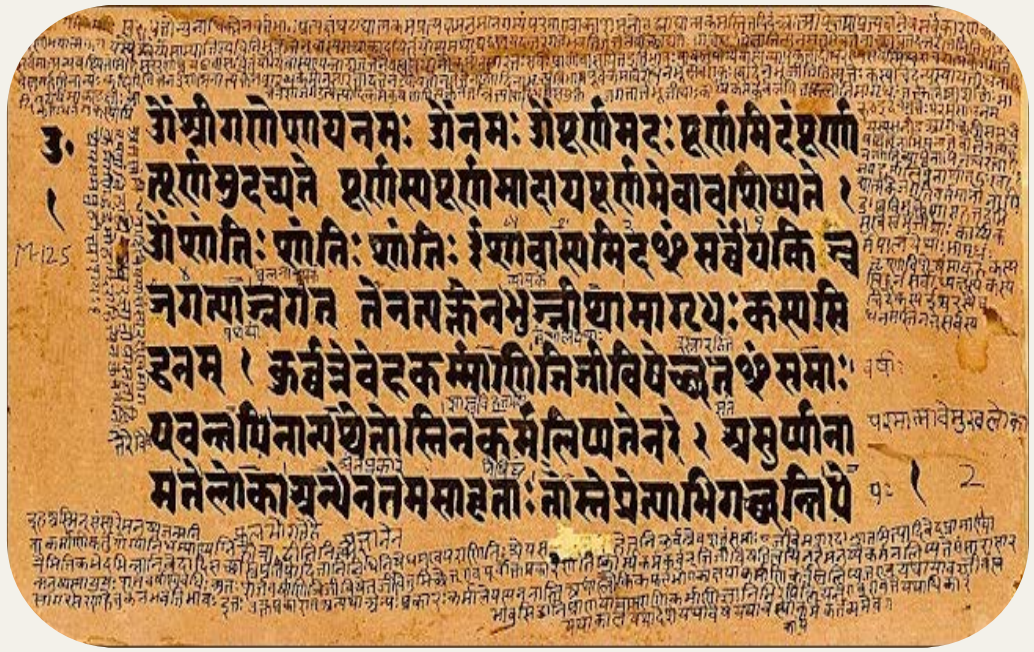

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Debates took place in the kutagarashala – literally, a hut with a pointed roof – or in groves where travelling mendicants halted.

ये चर्चाएँ कुटागारशालाओं (शब्दार्थ– नुकीली छत वाली झोपड़ी) या ऐसे उपवनों में होती थीं जहाँ घुमक्कड़ मनीषी ठहरा करते थे।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

If a philosopher succeeded in convincing one of his rivals, the followers of the latter also became his disciples. So support for any particular sect could grow and shrink over time.

यदि एक शिक्षक अपने प्रतिद्वंद्वी को अपने तर्कों से समझा लेता था तो वह अपने अनुयायियों के साथ उसका शिष्य बन जाता था इसलिए किसी भी संप्रदाय के लिए समर्थन समय के साथ बढ़ता-घटता रहता था।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

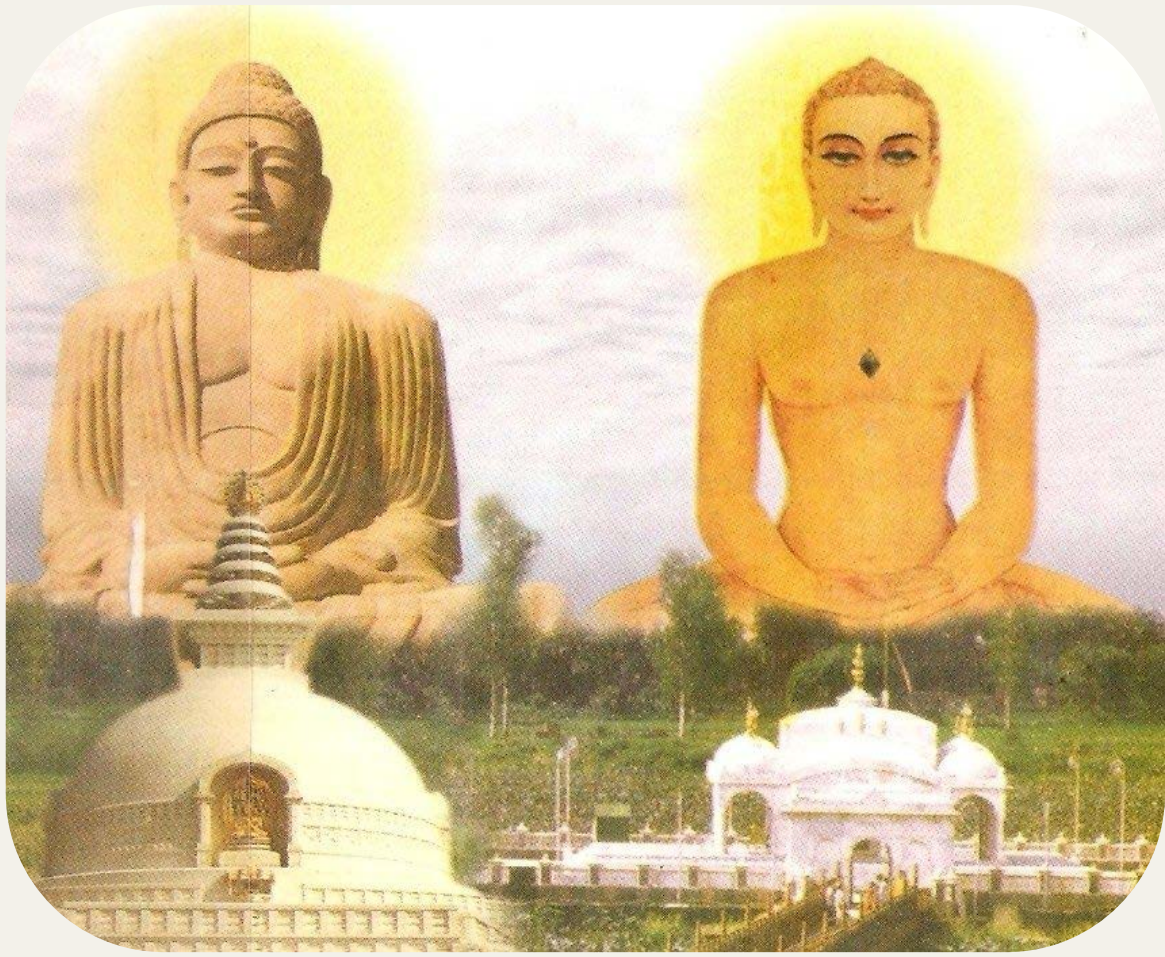

Mahavira and the Buddha, questioned the authority of the Vedas. They also emphasised individual agency – suggesting that men and women could strive to attain liberation

महावीर और बुद्ध शामिल हैं, वेदों के प्रभुत्व पर प्रश्न उठाते थे। उन्होंने यह भी माना कि जीवन के दु:खों से मुक्ति का प्रयास हर व्यक्ति स्वयं कर सकता था।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (c. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Verses from the Upanishads

Here are two verses from the Chhandogya Upanishad, a text composed in Sanskrit c. sixth century BCE:

उपनिषद की कुछ पंक्तियाँ

यहाँ पर संस्कृत भाषा में रचित लगभग छठी सदी ईसा पूर्व के छांदोग्य उपनिषद से दो श्लोक दिए गए हैं :

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

The nature of the self

This self of mine within the heart, is smaller than paddy or barley or mustard or millet or the kernel of a seed of millet. This self of mine within the heart is greater than the earth, greater than the intermediate space, greater than heaven, greater than these worlds.

आत्मा की प्रकृति

मेरी यह आत्मा धान या यव या सरसों या बाजरे के बीज की गिरी से भी छोटी है। मन के अंदर छुपी मेरी यह आत्मा पृथ्वी से भी विशाल, क्षितिज से भी विस्तृत, स्वर्ग से भी बड़ी है और इन सभी लोकों से भी बड़ी है।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

The true sacrifice

This one (the wind) that blows, this is surely a sacrifice ... While moving, it sanctifies all this; therefore it is indeed a sacrifice.

सच्चा यज्ञ

यह (पवन) जो बह रहा है, निश्चय ही एक यज्ञ है... बहते-बहते यह सबको पवित्र करता है; इसलिए यह वास्तव में यज्ञ है।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (c. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

How Buddhist texts were prepared and preserved

The Buddha (and other teachers) taught orally – through discussion and debate. Men and women (perhaps children as well) attended these discourses and discussed what they heard. None of the Buddha's speeches were written down during his lifetime

बौद्ध ग्रंथ किस प्रकार तैयार और संरक्षित किए जाते थे

बुद्ध (अन्य शिक्षकों की तरह) चर्चा और बातचीत करते हुए मौखिक शिक्षा देते थे। महिलाएँ और पुरुष (शायद बच्चे भी) इन प्रवचनों को सुनते थे और इन पर चर्चा करते थे। बुद्ध के किसी भी संभाषण को उनके जीवन काल में लिखा नहीं गया।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (c. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

After his death (c. fifth-fourth century BCE) his teachings were compiled by his disciples at a council of "elders" or senior monks at Vesali (Pali for Vaishali in present-day Bihar).

उनकी मृत्यु के बाद (पाँचवीं–चौथी सदी ई.पू) उनके शिष्यों ने 'ज्येष्ठों' या ज़्यादा वरिष्ठ श्रमणों की एक सभा वेसली (बिहार स्थित वैशाली का पालि भाषा में रूप) में बुलाई।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

These compilations were known as Tipitaka – literally, three baskets to hold different types of texts. They were first transmitted orally and then written and classified according to length as well as subject matter

वहाँ पर ही उनकी शिक्षाओं का संकलन किया गया। इन संग्रहों को 'त्रिपिटक' (शब्दार्थ भिन्न प्रकार के ग्रंथों को रखने के लिए 'तीन टोकरियाँ') कहा जाता था। पहले उन्हें मौखिक रूप से ही संप्रेषित किया जाता था। बाद में लिखकर विषय और लंबाई के अनुसार वर्गीकरण किया गया।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

The Vinaya Pitaka included rules and regulations for those who joined the sangha or monastic order; the Buddha's teachings were included in the Sutta Pitaka; and the Abhidhamma Pitaka dealt with philosophical matters. Each pitaka comprised a number of individual texts. Later, commentaries were written on these texts by Buddhist scholars.

विनय पिटक में संघ या बौद्ध मठों में रहने वाले लोगों के लिए नियमों का संग्रह था। बुद्ध की शिक्षाएँ सुत्त पिटक में रखी गईं और दर्शन से जुड़े विषय अभिधम्म पिटक में आए। हर पिटक के अंदर कई ग्रंथ होते थे। बाद के युगों में बौद्ध विद्वानों ने इन ग्रंथों पर टीकाएँ लिखीं।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

As Buddhism travelled to new regions such as Sri Lanka, other texts such as the Dipavamsa (literally, the chronicle of the island) and Mahavamsa (the great chronicle) were written, containing regional histories of Buddhism. Many of these works contained biographies of the Buddha. Some of the oldest texts are in Pali, while later compositions are in Sanskrit.

जब बौद्ध धर्म श्रीलंका जैसे नए इलाकों में फैला दीपवंश (द्वीप का इतिहास) और महावंश (महान इतिहास) जैसे क्षेत्र-विशेष के बौद्ध इतिहास को लिखा गया। इनमें से कई रचनाओं में बुद्ध की जीवनी लिखी गई है। ज़्यादातर पुराने ग्रंथ पालि में हैं। बाद के युगों में संस्कृत में ग्रंथ लिखे गए।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

When Buddhism spread to East Asia, pilgrims such as Fa Xian and Xuan Zang travelled all the way from China to India in search of texts. These they took back to their own country, where they were translated by scholars. Indian Buddhist teachers also travelled to faraway places, carrying texts to disseminate the teachings of the Buddha

जब बौद्ध धर्म पूर्व एशिया में फैला तब फा-शिएन और श्वैन त्सांग जैसे तीर्थयात्री बौद्ध ग्रंथों की खोज में चीन से भारत आए। ये पुस्तकें वे अपने देश ले गए जहाँ विद्वानों ने इनका अनुवाद किया। हिन्दुस्तान के बौद्ध शिक्षक भी दूर-दराज़ के देशों में गए। बुद्ध की शिक्षाओं का प्रसार करने के लिए वे कई पुस्तकें भी अपने साथ ले गए।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

A Buddhist manuscript in Sanskrit, c. twelfth century

संस्कृत में लिखी एक बौद्ध पांडुलिपि, लगभग 12वीं शताब्दी

Buddhist texts were preserved in manuscripts for several centuries in monasteries in different parts of Asia. Modern translations have been prepared from Pali, Sanskrit, Chinese and Tibetan texts.

कई सदियों तक ये पांडुलिपियाँ एशिया के भिन्न-भिन्न इलाकों में स्थित बौद्ध विहारों में संरक्षित थीं। पालि, संस्कृत, चीनी और तिब्बती भाषाओं में लिखे इन ग्रंथों से आधुनिक अनुवाद तैयार किए गए हैं।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Fatalists and materialists?

Here is an excerpt from the Sutta Pitaka, describing a conversation between king Ajatasattu, the ruler of Magadha, and the Buddha:

नियतिवादी और भौतिकवादी

यहाँ हम सुत्त पिटक से लिया गया दृष्टांत दे रहे हैं। इसमें मगध के राजा अजातसत्तु और बुद्ध के बीच बातचीत का वर्णन किया गया है।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

On one occasion King Ajatasattu visited the Buddha and described what another teacher, named Makkhali Gosala, had told him:

"Though the wise should hope, by this virtue ... by this penance I will gain karma ... and the fool should by the same means hope to gradually rid himself of his karma, neither of them can do it.

एक बार राजा अजातसत्तु बुद्ध के पास गए और उन्होंने मक्खलि गोसाल नामक एक अन्य शिक्षक की बातें बताईं :

"हालाँकि बुद्धिमान लोग यह विश्वास करते हैं कि इस सद्गुण से... इस तपस्या से मैं कर्म प्राप्ति करूँगा... मूर्ख उन्हीं कार्यों को करके धीरे-धीरे कर्म मुक्ति की उम्मीद करेगा। दोनों में से कोई कुछ नहीं कर सकता।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Pleasure and pain, measured out as it were, cannot be altered in the course of samsara (transmigration). It can neither be lessened or increased ... just as a ball of string will when thrown unwind to its full length, so fool and wise alike will take their course and make an end of sorrow."

सुख और दुख मानो पूर्व निर्धारित मात्रा में माप कर दिए गए हैं। इसे संसार में बदला नहीं जा सकता। इसे बढ़ाया या घटाया नहीं जा सकता। जैसे धागे का गोला फेंक देने पर लुढ़कते-लुढ़कते अपनी पूरी लंबाई तक खुलता जाता है उसी तरह मूर्ख और विद्वान दोनों ही पूर्व निर्धारित रास्ते से होते हुए दु:खों का निदान करेंगे।"

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

And this is what a philosopher named Ajita Kesakambalin taught:

"There is no such thing, O king, as alms or sacrifice, or offerings ... there is no such thing as this world or the next ...

और अजीत केसकंबलिन् नामक दार्शनिक ने यह उपदेश दिया :

"हे राजन्! दान, यज्ञ या चढ़ावा जैसी कोई चीज़ नहीं होती... इस दुनिया या दूसरी दुनिया जैसी कोई चीज़ नहीं होती...

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

A human being is made up of the four elements. When he dies the earthy in him returns to the earth, the fluid to water, the heat to fire, the windy to air, and his senses pass into space ...

मनुष्य चार तत्वों से बना होता है। जब वह मरता है तब मिट्टी वाला अंश पृथ्वी में, जल वाला हिस्सा जल में, गर्मी वाला अंश आग में, साँस का अंश वायु में वापिस मिल जाता है और उसकी इंद्रियाँ अंतरिक्ष का हिस्सा बन जाती हैं..

.

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

The talk of gifts is a doctrine of fools, an empty lie ... fools and wise alike are cut off and perish. They do not survive after death."

दान देने की बात मूर्खों का सिद्धांत है, खोखला झूठ है... मूर्ख हो या विद्वान दोनों ही कट कर नष्ट हो जाते हैं। मृत्यु के बाद कोई नहीं बचता।"

The first teacher belonged to the tradition of the Ajivikas. They have often been described as fatalists: those who believe that everything is predetermined.

प्रथम गद्यांश के उपदेशक आजीविक परंपरा के थे। उन्हें अक्सर नियतिवादी कहा जाता है–ऐसे लोग जो विश्वास करते थे कि सब कुछ पूर्व निर्धारित है।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

The second teacher belonged to the tradition of the Lokayatas, usually described as materialists. Texts from these traditions have not survived, so we know about them only from the works of other traditions.

द्वितीय गद्यांश के उपदेशक लोकायत परंपरा के थे जिन्हें सामान्यतः भौतिकवादी कहा जाता है। इन दार्शनिक परंपराओं के ग्रंथ नष्ट हो गए हैं। इसलिए हमें अन्य परंपराओं से ही उनके बारे में जानकारी मिलती है।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Vardhamana, who came to be known as Mahavira

वर्धमान जिन्हें महावीर के नाम से जाना जाने लगा।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

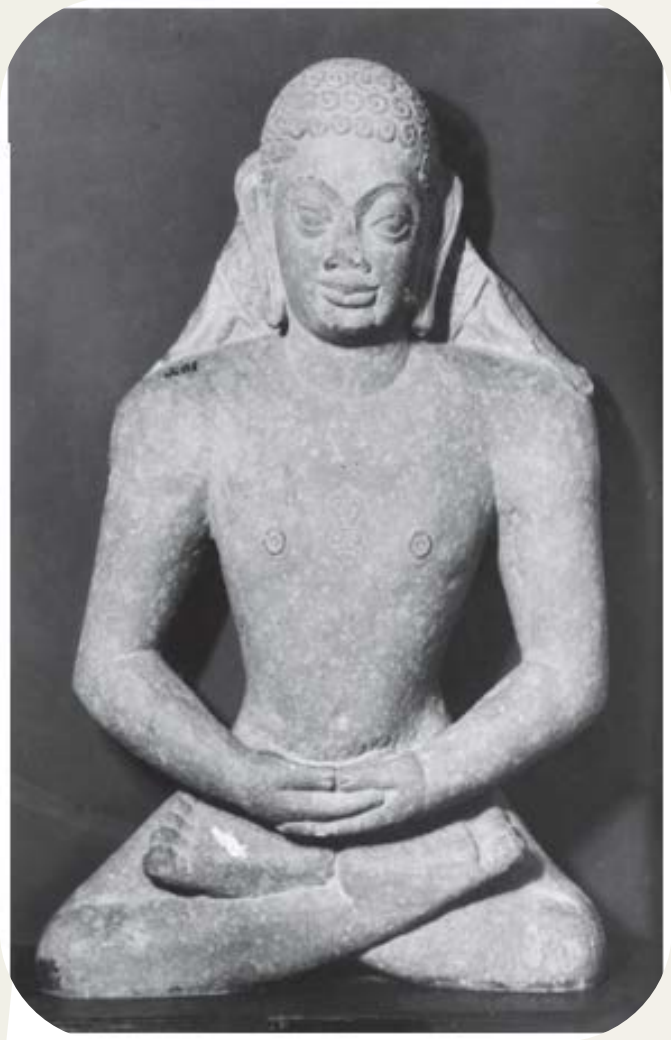

An image of a tirthankara from Mathura, c. third century CE

मथुरा से प्राप्त तीर्थंकर की एक मूर्ति, लगभग तीसरी शताब्दी ई.

Mahavira was preceded by 23 other teachers or tirthankaras – literally, those who guide men and women across the river of existence.

महावीर से पहले 23 शिक्षक हो चुके थे, उन्हें तीर्थंकर कहा जाता है : यानी कि वे महापुरुष जो पुरुषों और महिलाओं को जीवन की नदी के पार पहुँचाते हैं।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Important idea in Jainism is that the entire world is animated: even stones, rocks and water have life. Non-injury to living beings, especially to humans, animals, plants and insects, is central to Jaina philosophy.

सबसे महत्वपूर्ण अवधारणा यह है कि संपूर्ण विश्व प्राणवान है। यह माना जाता है कि पत्थर, चटान और जल में भी जीवन होता है। जीवों के प्रति अहिंसा - खासकर इनसानों, जानवरों, पेड़-पौधों और कीड़े-मकोड़ों को न मारना जैन दर्शन का केंद्र बिंदु है।

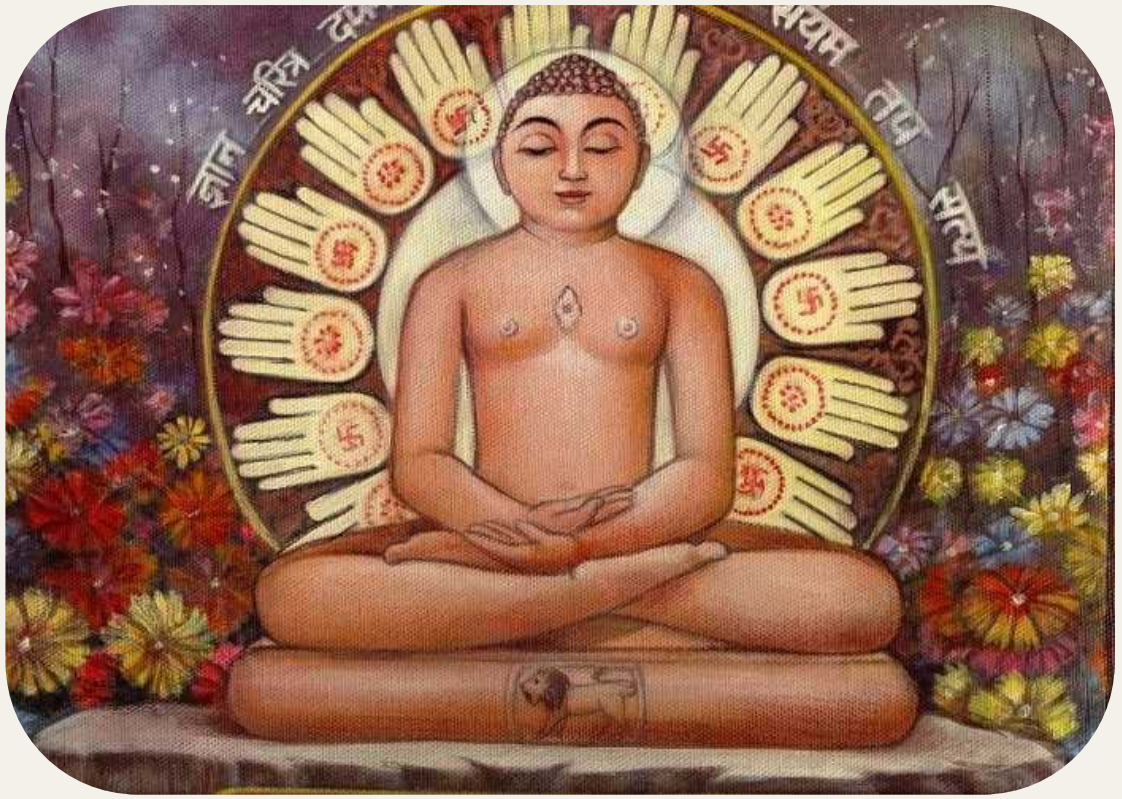

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (c. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Principle of ahimsa, emphasised within Jainism

जैन अहिंसा के सिद्धांत

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

The cycle of birth and rebirth is shaped through karma. Asceticism and penance are required to free oneself from the cycle of karma.

जन्म और पुनर्जन्म का चक्र कर्म के द्वारा निर्धारित होता है। कर्म के चक्र से मुक्ति के लिए त्याग और तपस्या की ज़रूरत होती है।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Monastic existence is a necessary condition of salvation.

मुक्ति के लिए विहारों में निवास करना एक अनिवार्य नियम बन गया।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

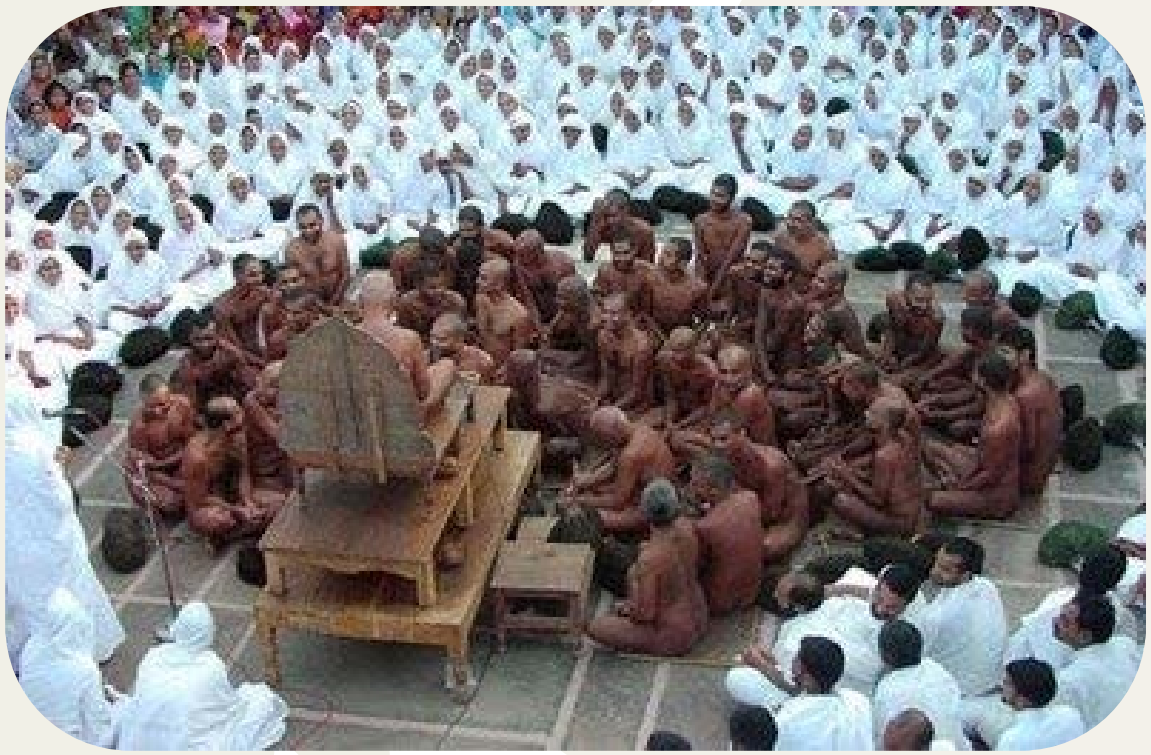

Jaina monks and nuns took five vows: to abstain from killing, stealing and lying; to observe celibacy; and to abstain from possessing property

जैन साधु और साध्वी पाँच व्रत करते थे : हत्या न करना, चोरी नहीं करना, झूठ न बोलना, ब्रह्मचर्य (अमृषा) और धन संग्रह न करना।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (c. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

The world beyond the palace

Just as the Buddha's teachings were compiled by his followers, the teachings of Mahavira were also recorded by his disciples. These were often in the form of stories, which could appeal to ordinary people. Here is one example, from a Prakrit text known as the Uttaradhyayana Sutta, describing how a queen named Kamalavati tried to persuade her husband to renounce the world:

महल के बाहर की दुनिया

जैसे बुद्ध के उपदेशों को उनके शिष्यों ने संकलित किया वैसे ही महावीर के शिष्यों ने किया। अक्सर ये उपदेश कहानियों के रूप में प्रस्तुत किए जाते थे जो आम लोगों को आकर्षित करते थे। यह उदाहरण उत्तराध्ययन सूत्र नामक एक ग्रंथ से लिया गया है। इसमें कमलावती नामक एक महारानी अपने पति को संन्यास लेने के लिए समझा रही है :

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

If the whole world and all its treasures were yours, you would not be satisfied, nor would all this be able to save you. When you die, O king and leave all things behind, dhamma alone, and nothing else, will save you. As a bird dislikes the cage, so do I dislike (the world). I shall live as a nun without offspring, without desire, without the love of gain, and without hatred ...

अगर संपूर्ण विश्व और वहाँ के सभी खज़ाने तुम्हारे हो जाएँ तब भी तुम्हें संतोष नहीं होगा, न ही यह सारा कुछ तुम्हें बचा पाएगा। हे राजन्! जब तुम्हारी मृत्यु होगी और जब सारा धन पीछे छूट जाएगा तब सिर्फ धर्म ही, और कुछ भी नहीं, तुम्हारी रक्षा करेगा। जैसे एक चिड़िया पिंजरे से नफ़रत करती है वैसे ही मैं इस संसार से नफ़रत करती हूँ। मैं बाल-बच्चे को जन्म न देकर निष्काम भाव से, बिना लाभ की कामना से और बिना द्वेष के एक साध्वी की तरह जीवन बिताऊँगी...

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Those who have enjoyed pleasures and renounced them, move about like the wind, and go wherever they please, unchecked like birds in their flight ...

Leave your large kingdom ... abandon what pleases the senses, be without attachment and property, then practise severe penance, being firm of energy ...

जिन लोगों ने सुख का उपभोग करके उसे त्याग दिया है, वायु की तरह भ्रमण करते हैं, जहाँ मन करे स्वतंत्र उड़ते हुए पक्षियों की तरह जाते हैं...

इस विशाल राज्य का परित्याग करो... इंद्रिय सुखों से नाता तोड़ो, निष्काम अपरिग्रही बनो, तत्पश्चात तेजमय हो घोर तपस्या करो...

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Jaina scholars produced a wealth of literature in a variety of languages – Prakrit, Sanskrit and Tamil.

जैन विद्वानों ने प्राकृत, संस्कृत, तमिल जैसी अनेक भाषाओं में काफ़ी साहित्य का सृजन किया।

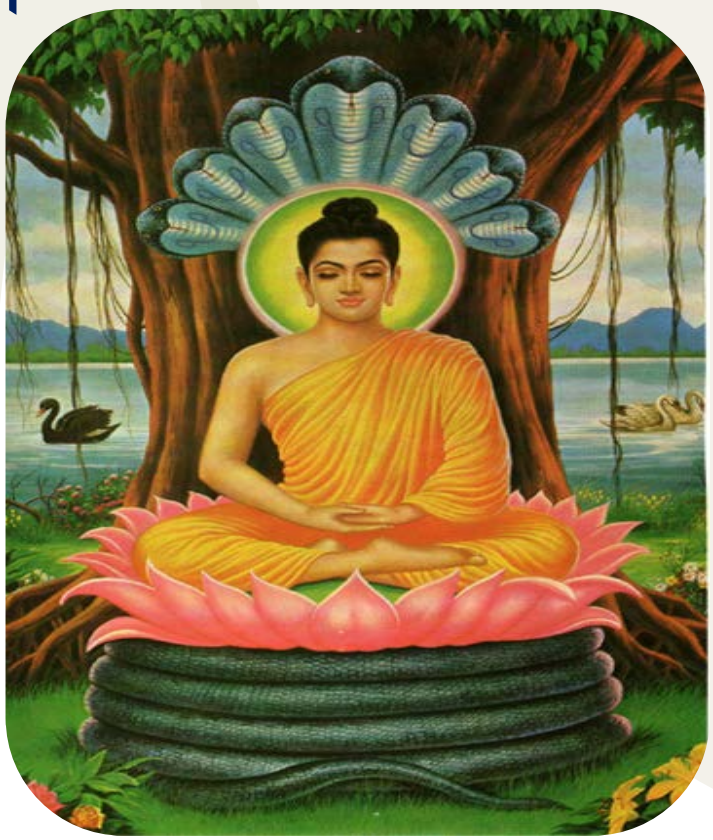

Siddhartha, as the Buddha was named at birth, was the son of a chief of the Sakya clan

सिद्धार्थ (बुद्ध के बचपन का नाम) शाक्य कबीले के सरदार के बेटे थे।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (c. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Hagiography is a biography of a saint or religious leader. Hagiographies often praise the saint's achievements, and may not always be literally accurate. They are important because they tell us about the beliefs of the followers of that particular tradition.

संतचरित्र किसी संत या धार्मिक नेता की जीवनी है। संतचरित्र संत की उपलब्धियों का गुणगान करते हैं, जो तथ्यात्मक रूप से पूरी तरह सही नहीं होते। ये इसलिए महत्वपूर्ण हैं कि ये हमें उस परंपरा के अनुयायियों के विश्वासों के बारे में बताते हैं।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Sheltered upbringing within the palace, insulated from the harsh realities of life.

जीवन के कटु यथार्थों से दूर उन्हें महल की चारदीवारी के अंदर सब सुखों के बीच बड़ा किया गया।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

One day he persuaded his charioteer to take him into the city. His first journey into the world outside was traumatic. He was deeply anguished when he saw an old man, a sick man and a corpse.

एक दिन उन्होंने अपने रथकार को उन्हें शहर घुमाने के लिए मना लिया। बाहरी दुनिया की उनकी पहली यात्रा काफ़ी पीड़ादायक रही। एक वृद्ध व्यक्ति को, एक बीमार को और एक लाश को देखकर उन्हें गहरा सदमा पहुँचा।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Also saw a homeless mendicant

उन्होंने एक गृहत्याग किए संन्यासी को भी देखा

Terms with old age, disease and death, and found peace. Siddhartha decided that he too would adopt the same path.

बुढ़ापे, बीमारी और मृत्यु से कोई परेशानी नहीं थी और उसने शांति प्राप्त कर ली थी। सिद्धार्थ ने निश्चय किया कि वे भी संन्यास का रास्ता अपनाएँगे।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Siddhartha explored several paths including bodily mortification which led him to a situation of near death.

सिद्धार्थ ने साधना के कई मार्गों का अन्वेषण किया। इनमें एक था शरीर को अधिक से अधिक कष्ट देना जिसके चलते वे मरते-मरते बचे।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Meditated for several days and finally attained enlightenment. After this he came to be known as the Buddha or the Enlightened One

उन्होंने कई दिन तक ध्यान करते हुए अंततः ज्ञान प्राप्त किया। इसके बाद से उन्हें बुद्ध अथवा ज्ञानी व्यक्ति के नाम से जाना गया है।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (c. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Buddha's teachings

बुद्ध की शिक्षाओं को

Sutta Pitaka

सुत्त पिटक

Some stories describe his miraculous powers, others suggest that the Buddha tried to convince people through reason and persuasion rather than through displays of supernatural power.

कुछ कहानियों में उनकी अलौकिक शक्तियों का वर्णन है, दूसरी कथाएँ दिखाती हैं कि अलौकिक शक्तियों की बजाय बुद्ध ने लोगों को विवेक और तर्क के आधार पर समझाने का प्रयास किया।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Buddhist philosophy, the world is transient (anicca) and constantly changing; it is also soulless (anatta) as there is nothing permanent or eternal in it.

बौद्ध दर्शन के अनुसार विश्व अनित्य है और लगातार बदल रहा है, यह आत्माविहीन (आत्मा) है क्योंकि यहाँ कुछ भी स्थायी या शाश्वत नहीं है।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Within this transient world, sorrow (dukkha) is intrinsic to human existence. It is by following the path of moderation between severe penance and self-indulgence that human beings can rise above these worldly troubles.

इस क्षणभंगुर दुनिया में दुख मनुष्य के जीवन का अंतर्निहित तत्व है। घोर तपस्या और विषयासक्ति के बीच मध्यम मार्ग अपनाकर मनुष्य दुनिया के दुखों से मुक्ति पा सकता है।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

In the earliest forms of Buddhism, whether or not god existed was irrelevant.

बौद्ध धर्म की प्रारंभिक परंपराओं में भगवान का होना या न होना अप्रासंगिक था।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Buddhism in practice

This is an e xcerpt from the Sutta Pitaka, and contains the advice given by the Buddha to a wealthy householder named Sigala:

व्यवहार में बौद्ध धर्म

सुत्त पिटक से लिए गए इस उद्धरण में बुद्ध सिगल नाम के एक अमीर गृहपति को सलाह दे रहे हैं :

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

In five ways should a master look after his servants and employees ... by assigning them work according to their strength, by supplying them with food and wages, by tending them in sickness; by sharing delicacies with them and by granting leave at times ...

मालिक को अपने नौकरों और कर्मचारियों की पाँच तरह से देखभाल करनी चाहिए... उनकी क्षमता के अनुसार उन्हें काम देकर, उन्हें भोजन और मज़दूरी देकर, बीमार पड़ने पर उनकी परिचर्या करके, उनके साथ सुस्वादु भोजन बाँटकर और समय – समय पर उन्हें छुटी देकर...

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

In five ways should the clansmen look after the needs of samanas (those who have renounced the world) and Brahmanas: by affection in act and speech and mind, by keeping open house to them and supplying their worldly needs.

There are similar instructions to Sigala about how to behave with his parents, teacher and wife.

कुल के लोगों को पाँच तरह से श्रमणों (जिन्होंने सांसारिक जीवन को त्याग दिया है) और ब्राह्मणों की देखभाल करनी चाहिए... कर्म, वचन और मन से अनुराग द्वारा, उनके स्वागत में हमेशा घर खुले रखकर और उनकी दिन-प्रतिदिन की ज़रूरतों की पूर्ति करके।

सिगल को माता-पिता, शिक्षक और पत्नी के साथ व्यवहार के लिए भी ऐसे ही उपदेश दिए गए हैं।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Buddha regarded the social world as the creation of humans rather than of divine origin.

बुद्ध मानते थे कि समाज का निर्माण इनसानों ने किया था न कि ईश्वर ने।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Buddha emphasised individual agency and righteous action as the means to escape from the cycle of rebirth and attain self-realisation and nibbana, literally the extinguishing of the ego and desire – and thus end the cycle of suffering for those who renounced the world.

बुद्ध ने जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्ति, आत्म-ज्ञान और निर्वाण के लिए व्यक्ति-केंद्रित हस्तक्षेप और सम्यक कर्म की कल्पना की। निर्वाण का मतलब था अहं और इच्छा का खत्म हो जाना जिससे गृहत्याग करने वालों के दुख के चक्र का अंत हो सकता था।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Body of disciples of the Buddha and he founded a sangha, an organisation of monks who too became teachers of dhamma.

बुद्ध के शिष्यों का दल तैयार हो गया, इसलिए उन्होंने संघ की स्थापना की, ऐसे भिक्षुओं की एक संस्था जो धम्म के शिक्षक बन गए।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (c. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

They were known as bhikkhus.

उन्हें भिक्खु कहा जाता था।

Initially, only men were allowed into the sangha, but later women also came to be admitted

शुरू–शुरू में सिर्फ़ पुरुष ही संघ में सम्मिलित हो सकते थे। बाद में महिलाओं को भी अनुमति मिली।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Ananda, one of the Buddha's dearest disciples, who persuaded him to allow women into the sangha

बुद्ध के प्रिय शिष्य आनंद ने बुद्ध को समझाकर महिलाओं के संघ में आने की अनुमति प्राप्त की।

Buddha's foster mother, Mahapajapati Gotami was the first woman to be ordained as a bhikkhuni

बुद्ध की उपमाता महाप्रजापति गोतमी संघ में आने वाली पहली भिक्खुनी बनीं।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Within the sangha, all were regarded as equal, having shed their earlier social identities on becoming bhikkhus and bhikkhunis.

एक बार संघ में आ जाने पर सभी को बराबर माना जाता था क्योंकि भिक्खु और भिक्खुनी बनने पर उन्हें अपनी पुरानी पहचान को त्याग देना पड़ता था।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

The Therigatha

This unique Buddhist text, part of the Sutta Pitaka, is a collection of verses composed by bhikkhunis. It provides an insight into women's social and spiritual experiences. Punna, a dasi or slave woman, went to the river each morning to fetch water for her master's household.

थेरीगाथा

यह अनूठा बौद्ध ग्रंथ सुत्त पिटक का हिस्सा है। इसमें भिक्खुनियों द्वारा रचित छंदों का संकलन किया गया है। इससे महिलाओं के सामाजिक और आध्यात्मिक अनुभवों के बारे में अंतर्दृष्टि मिलती है। पुन्ना नाम की एक दासी अपने मालिक के घर के लिए प्रतिदिन सुबह नदी का पानी लाने जाती थी।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

A woman water-carrier, Mathura, c. third century CE

जल ले जाने वाली एक स्त्री, मथुरा, लगभग तीसरी शताब्दी ई.

There she would daily see a Brahmana performing bathing rituals. One morning she spoke to him. The following are verses composed by Punna, recording her conversation with the Brahmana:

वहाँ वह हर दिन एक ब्राह्मण को स्नान कर्म करते हुए देखती थी। एक दिन उसने ब्राह्मण से बात की। निम्नलिखित पद्य की रचना पुन्ना ने की थी जिसमें ब्राह्मण से उसकी बातचीत का वर्णन है :

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

I am a water carrier:
Even in the cold
I have always gone down to the water
frightened of punishment
Or the angry words of high class women.
So what are you afraid of Brahmana,
That makes you go down to the water
(Though) your limbs shake with the bitter cold?

मैं जल ले जाने वाली हूँ :
कितनी भी ठंड हो
मुझे पानी में उतरना ही है
सज़ा के डर से या ऊँचे घरानों की स्त्रियों के कटु वाक्यों के डर से।
हे ब्राह्मण तुम्हें किसका डर है,
जिससे तुम जल में उतरते हो
(जबकि) तुम्हारे अंग ठंड से काँप रहे हैं?

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

The Brahmana replied:

I am doing good to prevent evil;

anyone young or old

who has done something bad

is freed by washing in water.

ब्राह्मण बोले :

मैं बुराई को रोकने के लिए अच्छाई कर रहा हूँ;

बूढ़ा हो या बच्चा

जिसने भी कुछ बुरा किया हो

जल में स्नान करके मुक्त हो जाता है।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (c. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Punna said:

Whoever told you

You are freed from evil by washing in the water?...

In that case all the frogs and turtles

Would go to heaven, and so would the water snakes and crocodiles!

पुन्ना ने कहा :

यह किसने कहा है

कि पानी में नहाने से बुराई से मुक्ति मिलती है?...

वैसा हो तो सारे मेंढक और कछुए स्वर्ग जाएँगे

साथ में पानी के साँप और मगरमच्छ भी!

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (c. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

(Instead) Don't do that thing,
the fear of which
leads you to the water.
Stop now Brahmana!
Save your skin from the cold
...

इसके बदले में वे कर्म न करें
जिनका डर
आपको पानी की ओर खींचता है।
हे ब्राह्मण, अब तो रुक जाओ!
अपने शरीर को ठंड से बचाओ...

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (c. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Rules for monks and nuns

These are some of the rules laid down in the Vinaya Pitaka:

When a new felt (blanket/rug) has been made by a bhikkhu, it is to be kept for (at least) six years. If after less than six years he should have another new felt (blanket/rug) made, regardless of whether or not he has disposed of the first, then – unless he has been authorised by the bhikkhus – it is to be forfeited and confessed.

भिक्षुओं और भिक्खुनियों के लिए नियम

ये नियम विनय पिटक में मिलते हैं :

जब कोई भिक्खु एक नया कंबल या गलीचा बनाएगा तो उसे इसका प्रयोग कम से कम छः वर्षों तक करना पड़ेगा। यदि छः वर्ष से कम अवधि में वह बिना भिक्खुओं की अनुमति के एक नया कंबल या गलीचा बनवाता है तो चाहे उसने अपने पुराने कंबल/गलीचे को छोड़ दिया हो या नहीं – नया कंबल या गलीचा उससे ले लिया जाएगा और इसके लिए उसे अपराध स्वीकरण करना होगा।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

In case a bhikkhu arriving at a family residence is presented with cakes or cooked grain-meal, he may accept two or three bowlfuls if he so desires. If he should accept more than that, it is to be confessed. Having accepted the two or three bowlfuls and having taken them from there, he is to share them among the bhikkhus. This is the proper course here.

यदि कोई भिक्खु किसी गृहस्थ के घर जाता है और उसे टिकिया या पके अनाज का भोजन दिया जाता है तो यदि उसे इच्छा हो तो वह दो से तीन कटोरा भर ही स्वीकार कर सकता है। यदि वह इससे ज़्यादा स्वीकार करता है तो उसे अपना 'अपराध' स्वीकार करना होगा। दो या तीन कटोरे पकवान स्वीकार करने के बाद उसे इन्हें अन्य भिक्खुओं के साथ बाँटना होगा। यही सम्यक आचरण है।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Should any bhikkhu, having set out bedding in a lodging belonging to the sangha – or having had it set out – and then on departing neither put it away nor have it put away, or should he go without taking leave, it is to be confessed.

यदि कोई भिक्खु जो संघ के किसी विहार में ठहरा हुआ है, प्रस्थान के पहले अपने द्वारा बिछाए गए या बिछवाए गए बिस्तरे को न ही समेटता है, न ही समेटवाता है, या यदि वह बिना विदाई लिए चला जाता है तो उसे अपराध स्वीकरण करना होगा।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Buddhism grew rapidly both during the lifetime of the Buddha and after his death

बुद्ध के जीवनकाल में और उनकी मृत्यु के बाद भी बौद्ध धर्म तेज़ी से फैला।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Importance attached to conduct and values rather than claims of superiority based on birth, the emphasis placed on metta (fellow feeling) and karuna (compassion), especially for those who were younger and weaker than oneself, were ideas that drew men and women to Buddhist teachings.

बौद्ध शिक्षाओं में जन्म के आधार पर श्रेष्ठता की बजाय जिस तरह अच्छे आचरण और मूल्यों को महत्त्व दिया गया उससे महिलाएँ और पुरुष इस धर्म की तरफ़ आकर्षित हुए। खुद से छोटे और कमज़ोर लोगों की तरफ़ मित्रता और करुणा के भाव को महत्त्व देने के आदर्श काफ़ी लोगों को भाए।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Buddhist ideas and practices emerged out of a process of dialogue with other traditions – including those of the Brahmanas, Jainas and several others, not all of whose ideas and practices were preserved in texts.

बौद्ध आदर्श और व्यवहार ब्राह्मण, जैन तथा कई अन्य परंपराओं के साथ संवाद और तर्क-वितर्क की प्रक्रिया से उभरे। इनमें से कई परंपराओं के विचार और आचार ग्रंथों में नहीं लिखे गए।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

People tended to regard certain places as sacred.

लोग कुछ जगहों को पवित्र मानते थे।

These included sites with special trees or unique rocks, or sites of aweinspiring natural beauty.

अक्सर जहाँ खास वनस्पति होती थी, अनूठी चट्टानें थीं या विस्मयकारी प्राकृतिक सौंदर्य था, वहाँ पवित्र स्थल बन जाते थे।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

These sites, with small shrines attached to them, were sometimes described as chaityas.

ऐसे कुछ स्थलों पर एक छोटी-सी वेदी भी बनी रहती थीं जिन्हें कभी-कभी चैत्य कहा जाता था।

Chaitya may also have been derived from the word chita, meaning a funeral pyre, and by extension a funerary mound.

शवदाह के बाद शरीर के कुछ अवशेष टीलों पर सुरक्षित रख दिए जाते थे। अंतिम संस्कार से जुड़े ये टीले चैत्य के रूप में जाने गए।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Asoka erected a pillar at Lumbini to mark the fact that he had visited the place.

असोक ने लुम्बिनी की अपनी यात्रा की याद में एक स्तंभ बनवाया।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Why were stupas built

This is an excerpt from the Mahaparinibbana Sutta, part of the Sutta Pitaka: As the Buddha lay dying, Ananda asked him:

स्तूप क्यों बनाए जाते थे

यह उद्धरण महापरिनिब्बान सुत्त से लिया गया है जो सुत्त पिटक का हिस्सा है : परिनिर्वाण से पूर्व आनंद ने पूछा:

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

"What are we to do Lord, with the remains of the Tathagata (another name for the Buddha)?"

The Buddha replied: "Hinder not yourselves Ananda by honouring the remains of the Tathagata. Be zealous, be intent on your own good."

भगवान हम तथागत (बुद्ध का दूसरा नाम) के अवशेषों का क्या करेंगे?

बुद्ध ने कहा, "तथागत के अवशेषों को विशेष आदर देकर खुद को मत रोको। धर्मोत्साही बनो, अपनी भलाई के लिए प्रयास करो।"

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (c. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

But when pressed further, the Buddha said:

"At the four crossroads they should erect a thupa (Pali for stupa) to the Tathagata. And whosoever shall there place garlands or perfume ...

लेकिन विशेष आग्रह करने पर बुद्ध बोले :

"उन्हें तथागत के लिए चार महापथों के चौक पर थूप (स्तूप का पालि रूप) बनाना चाहिए। जो भी वहाँ धूप या माला चढ़ाएगा...

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Or make a salutation there, or become in its presence calm of heart, that shall long be to them for a profit and joy."

या वहाँ सिर नवाएगा, या वहाँ पर हृदय में शांति लाएगा, उन सबके लिए वह चिर काल तक सुख और आनंद का कारण बनेगा।"

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Relics of the Buddha such as his bodily remains or objects used by him were buried there. These were mounds known as stupas.

बुद्ध से जुड़े कुछ अवशेष जैसे उनकी अस्थियाँ या उनके द्वारा प्रयुक्त सामान गाड़ दिए गए थे। इन टीलों को स्तूप कहते थे।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Contained relics regarded as sacred, the entire stupa came to be venerated as an emblem of both the Buddha and Buddhism.

उनमें ऐसे अवशेष रहते थे जिन्हें पवित्र समझा जाता था, इसलिए समूचे स्तूप को ही बुद्ध और बौद्ध धर्म के प्रतीक के रूप में प्रतिष्ठा मिली।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Buddhist text known as the Ashokavadana, Asoka distributed portions of the Buddha's relics to every important town and ordered the construction of stupas over them.

अशोकावदान नामक एक बौद्ध ग्रंथ के अनुसार असोक ने बुद्ध के अवशेषों के हिस्से हर महत्वपूर्ण शहर में बाँट कर उनके ऊपर स्तूप बनाने का आदेश दिया।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Inscriptions found on the railings and pillars of stupas record donations made for building and decorating them.

स्तूपों की वेदिकाओं और स्तंभों पर मिले अभिलेखों से इन्हें बनाने और सजाने के लिए दिए गए दान का पता चलता है।

The stupa (a Sanskrit word meaning a heap) originated as a simple semi-circular mound of earth, later called anda.

स्तूप (संस्कृत अर्थ टीला) का जन्म एक गोलार्ध लिए हुए मिटी के टीले से हुआ जिसे बाद में अंड कहा गया।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Gradually, it evolved into a more complex structure, balancing round and square shapes.

धीरे–धीरे इसकी संरचना ज़्यादा जटिल हो गई जिसमें कई चौकोर और गोल आकारों का संतुलन बनाया गया।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Above the anda was the harmika, a balconylike structure that represented the abode of the gods. Arising from the harmika was a mast called the yashti, often surmounted by a chhatri or umbrella.

अंड के ऊपर एक हर्मिका होती थी। यह छज्जे जैसा ढाँचा देवताओं के घर का प्रतीक था। हर्मिका से एक मस्तूल निकलता था जिसे यष्टि कहते थे जिस पर अक्सर एक छत्री लगी होती थी।

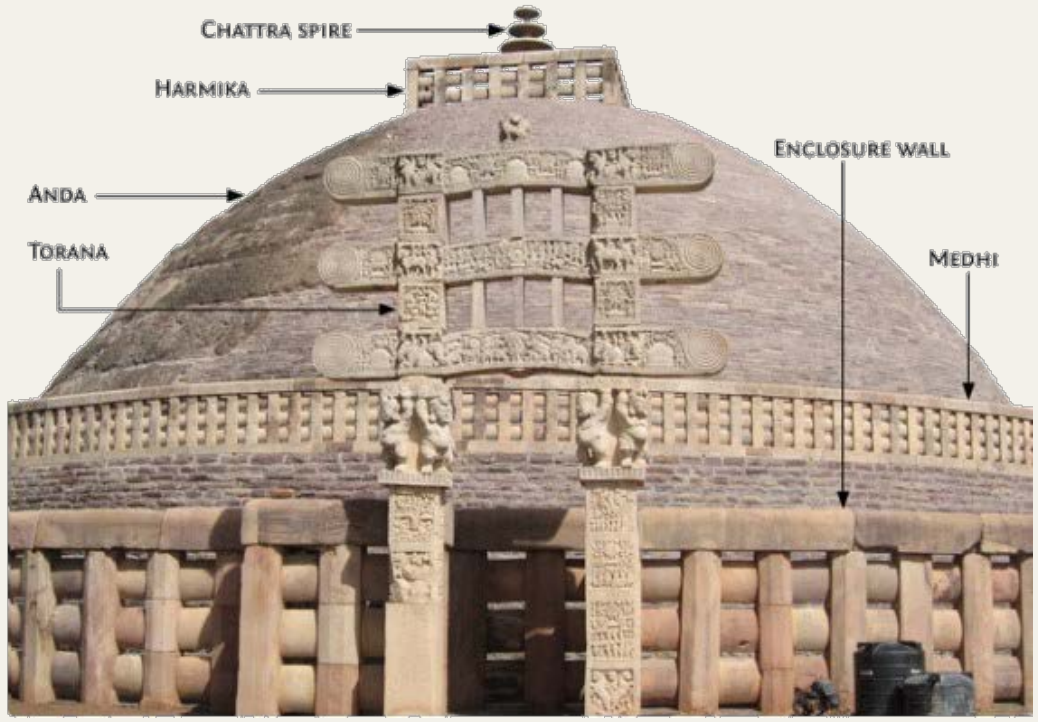

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

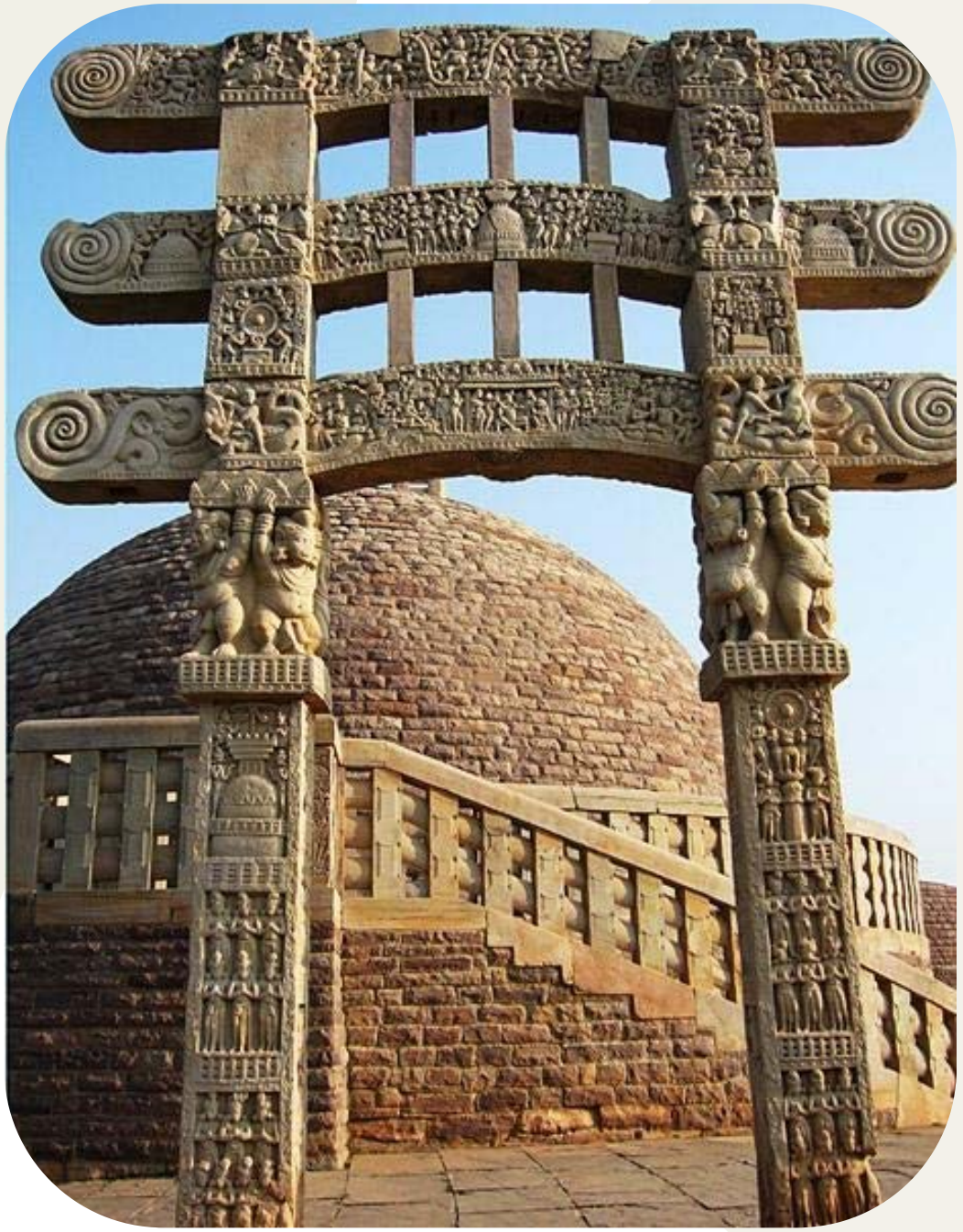

Worshippers entered through the eastern gateway

उपासक पूर्वी तोरणद्वार से प्रवेश करके

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (c. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

In 1854, Walter Elliot, the commissioner of Guntur (Andhra Pradesh), visited Amaravati and collected several sculpture panels and took them away to Madras. (These came to be called the Elliot marbles after him.)

1854 में गुंटूर (आंध्र प्रदेश) के कमिश्नर ने अमरावती की यात्रा की। उन्होंने कई मूर्तियाँ और उत्कीर्ण पत्थर जमा किए और वे उन्हें मद्रास ले गए। (इन्हें उनके नाम पर एलियट संगमरमर के नाम से जाना जाता है)।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

He also discovered the remains of the western gateway and came to the conclusion that the structure at Amaravati was one of the largest and most magnificent Buddhist stupas ever built.

उन्होंने पश्चिमी तोरणद्वार को भी खोज निकाला और इस निष्कर्ष पर पहुँचे कि अमरावती का स्तूप बौद्धों का सबसे विशाल और शानदार स्तूप था।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Amaravati was discovered before scholars understood the value of the finds and realised how critical it was to preserve things where they had been found instead of removing them from the site.

अमरावती की खोज थोड़ी पहले हो गई थी। तब तक विद्वान इस बात के महत्त्व को नहीं समझ पाए थे कि किसी पुरातात्विक अवशेष को उठाकर ले जाने की बजाय खोज की जगह पर ही संरक्षित करना कितना महत्वपूर्ण था।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Sculptures were removed from stupas and transported all the way to Europe.

स्तूपों से मूर्तियों को यूरोप ले जाया गया।

This happened partly because those who saw them considered them to be beautiful and valuable, and wanted to keep them for themselves.

ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि जिन लोगों ने मूर्तियों को देखा उन्हें ये ख़ूबसूरत और मूल्यवान लगीं। इसलिए वे उन्हें अपने लिए रखना चाहते थे।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Vessantara Jataka. This is a story about a generous prince who gave aw everything to a Brahmana, and went live in the forest with his wife a children.

वेसान्तर जातक से लिया गया एक दृश्य बताते हैं। कहानी एक ऐसे दानी राजकुमार के बारे में है जि अपना सब कुछ एक ब्राह्मण को सौंप दिया और अपनी पत्नी और बच्चों के साथ जंगल में रहने गया।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

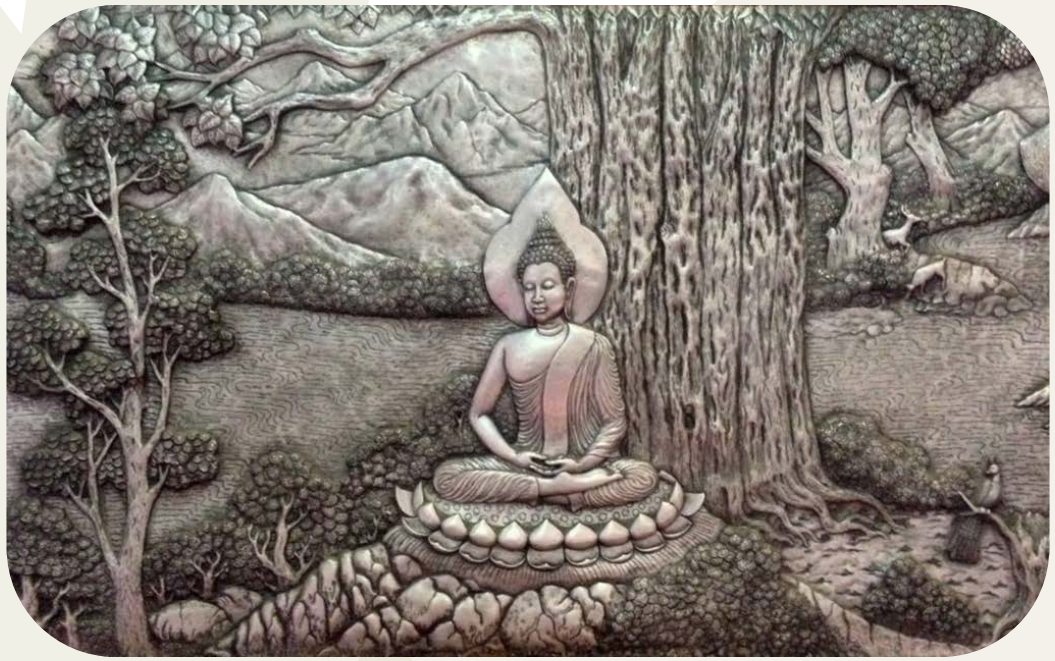

Hagiographies, the Buddha attained enlightenment while meditating under a tree.

बौद्धचरित लेखन के अनुसार एक वृक्ष के नीचे ध्यान करते हुए बुद्ध को ज्ञान प्राप्ति हुई।

Sculptors did not show the Buddha in human form – instead, they showed his presence through symbols

मूर्तिकारों ने बुद्ध को मानव रूप में न दिखाकर उनकी उपस्थिति प्रतीकों के माध्यम से दर्शाने का प्रयास किया।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Mahaparinibbana

महापरिनिब्बान

Wheel This stood for the first sermon of the Buddha, delivered at Sarnath.

चक्र का भी प्रतीक के रूप में प्रायः इस्तेमाल किया गया। यह बुद्ध द्वारा सारनाथ में दिए गए पहले उपदेश का प्रतीक था।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Shalabhanjika. According to popular belief, this was a woman whose touch caused trees to flower and bear fruit. It is likely that this was regarded as an auspicious symbol and integrated into the decoration of the stupa.

शालभंजिका की मूर्ति है। लोक परंपरा में यह माना जाता था कि इस स्त्री द्वारा छुए जाने से वृक्षों में फूल खिल उठते थे और फल होने लगते थे। ऐसा लगता है कि यह एक शुभ प्रतीक माना जाता था और इस कारण स्तूप के अलंकरण में प्रयुक्त हुआ।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Finest depictions of animals are found there. These animals include elephants, horses, monkeys and cattle

जानवरों के कुछ बहुत ख़ूबसूरत उत्कीर्णन यहाँ पर पाए गए हैं। इन जानवरों में हाथी, घोड़े, बंदर और गाय–बैल शामिल हैं।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Jatakas contain several animal stories that are depicted at Sanchi

साँची में जातकों से ली गई जानवरों की कई कहानियाँ हैं,

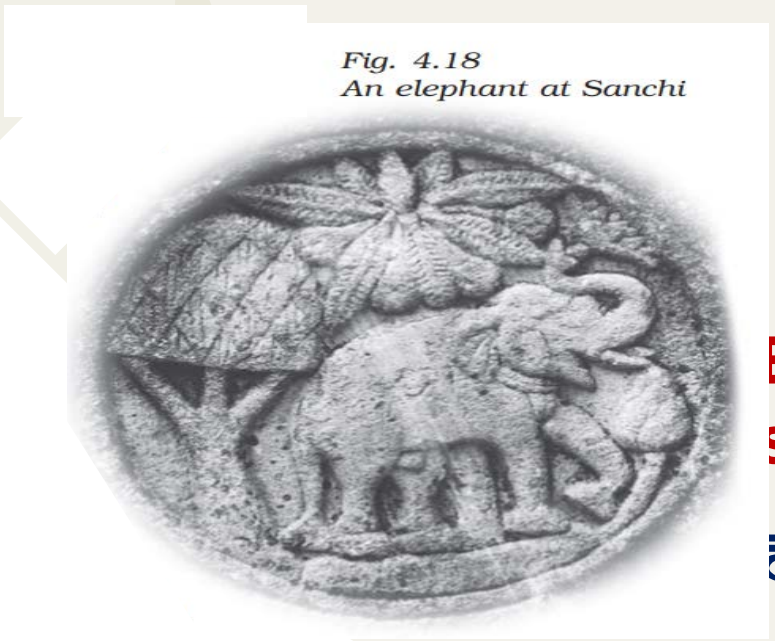

Elephants, for example, were depicted to signify strength and wisdom.

हाथी शक्ति और ज्ञान के प्रतीक माने जाते थे।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (c. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Paintings from the past

While stone sculpture survives the ravages of time and is therefore most easily available to the historian, other visual means of communication, including paintings, were also used in the past. Those that have survived best are on walls of caves, of which those from Ajanta (Maharashtra) are the most famous.

अतीत से प्राप्त चित्र

पत्थर की कलाकृतियाँ लंबे समय तक सुरक्षित बच जाती हैं। इसलिए इतिहासकारों को यह आसानी से उपलब्ध हो जाता है। लेकिन अतीत में चित्रकारी जैसे संप्रेषण के दूसरे माध्यम भी इस्तेमाल किए जाते थे। उनमें जो सबसे अच्छी हालत में बचे हुए हैं वे गुफाओं की दीवारों पर बने चित्र हैं। इनमें अजंता (महाराष्ट्र) की चित्रकारी काफ़ी प्रसिद्ध है।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

The paintings at Ajanta depict stories from the Jatakas. These include depictions of courtly life, processions, men and women at work, and festivals. The artists used the technique of shading to give a three-dimensional quality. Some of the paintings are extremely naturalistic.

अजंता के चित्र जातकों की कथाएँ दिखाते हैं। इनमें राज दरबार का जीवन, शोभा यात्राएँ, काम करते हुए स्त्री–पुरुष और त्यौहार मनाने के चित्र दिखाए गए हैं। कलाकारों ने त्रिविम रूप देने के लिए आभाभेद तकनीक का प्रयोग किया। कुछ चित्र बिल्कुल स्वाभाविक और सजीव लगते हैं।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Early Buddhist teachings had given great importance to self-effort in achieving nibbana

प्रारंभिक बौद्ध मत में निब्बान के लिए व्यक्तिगत प्रयास को विशेष महत्त्व दिया गया था।

Buddha was regarded as a human being who attained enlightenment and nibbana through his own efforts

बुद्ध को भी एक मनुष्य समझा जाता था जिन्होंने व्यक्तिगत प्रयास से प्रबोधन और निब्बान प्राप्त किया।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Believed that he was the one who could ensure salvation.

यह विश्वास किया जाने लगा कि वे मुक्ति दिलवा सकते थे।

Concept of the Bodhisatta also developed.

बोधिसत्त की अवधारणा भी उभरने लगी।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (c. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Bodhisattas were perceived as deeply compassionate beings who accumulated merit through their efforts but used this not to attain nibbana and thereby abandon the world, but to help others

बोधिसत्तों को परम करुणामय जीव माना गया जो अपने सत्कार्यों से पुण्य कमाते थे। लेकिन वे इस पुण्य का प्रयोग दुनिया को दुखों में छोड़ देने के लिए और निब्बान प्राप्ति के लिए नहीं करते थे। बल्कि वे इससे दूसरों की सहायता करते थे।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (c. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Worship of images of the Buddha and Bodhisattas became an important part of this tradition.

बुद्ध और बोधिसत्तों की मूर्तियों की पूजा इस परंपरा का एक महत्वपूर्ण अंग बन गई।

This new way of thinking was called Mahayana – literally, the "great vehicle".

चिंतन की इस नयी परंपरा को महायान के नाम से जाना गया।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Older tradition as Hinayana or the "lesser vehicle"

पुरानी परंपरा को हीनयान नाम से संबोधित किया।

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (c. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Hinayana or Theravada?

Supporters of Mahayana regarded other Buddhists as followers of Hinayana. However, followers of the older tradition described themselves as theravadins, that is, those who followed the path of old, respected teachers, the theras.

हीनयान या थेरवाद?

महायान के अनुयायी दूसरी बौद्ध परंपराओं के समर्थकों को हीनयान के अनुयायी कहते थे। लेकिन, पुरातन परंपरा के अनुयायी खुद को थेरवादी कहते थे। इसका मतलब है वे लोग जिन्होंने पुराने, प्रतिष्ठित शिक्षकों (जिन्हें थेर कहते थे) के बताए रास्ते पर चलने वाले।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Vaishnavism (a form of Hinduism within which Vishnu was worshipped as the principal deity) and Shaivism (a tradition within which Shiva was regarded as the chief god)

वैष्णव (वह हिंदू परंपरा जिसमें विष्णु को सबसे महत्वपूर्ण देवता माना जाता है) और शैव (वह संकल्पना जिसमें शिव परमेश्वर है)

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

In such worship the bond between the devotee and the god was visualised as one of love and devotion, or bhakti.

इस प्रकार की आराधना में उपासना और ईश्वर के बीच का रिश्ता प्रेम और समर्पण का रिश्ता माना जाता था। इसे भक्ति कहते हैं।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Vaishnavism

वैष्णववाद

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Various avatars or incarnations

कई अवतार

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Ten avatars were recognised within the tradition.

इस परंपरा के अंदर दस अवतारों की कल्पना है।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Believed to have assumed in order to save the world whenever it was threatened by disorder and destruction because of the dominance of evil forces.

पापियों के बढ़ते प्रभाव के चलते जब दुनिया में अव्यवस्था और नाश की स्थिति आ जाती थी तब विश्व की रक्षा के लिए भगवान अलग-अलग रूपों में अवतार लेते थे।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

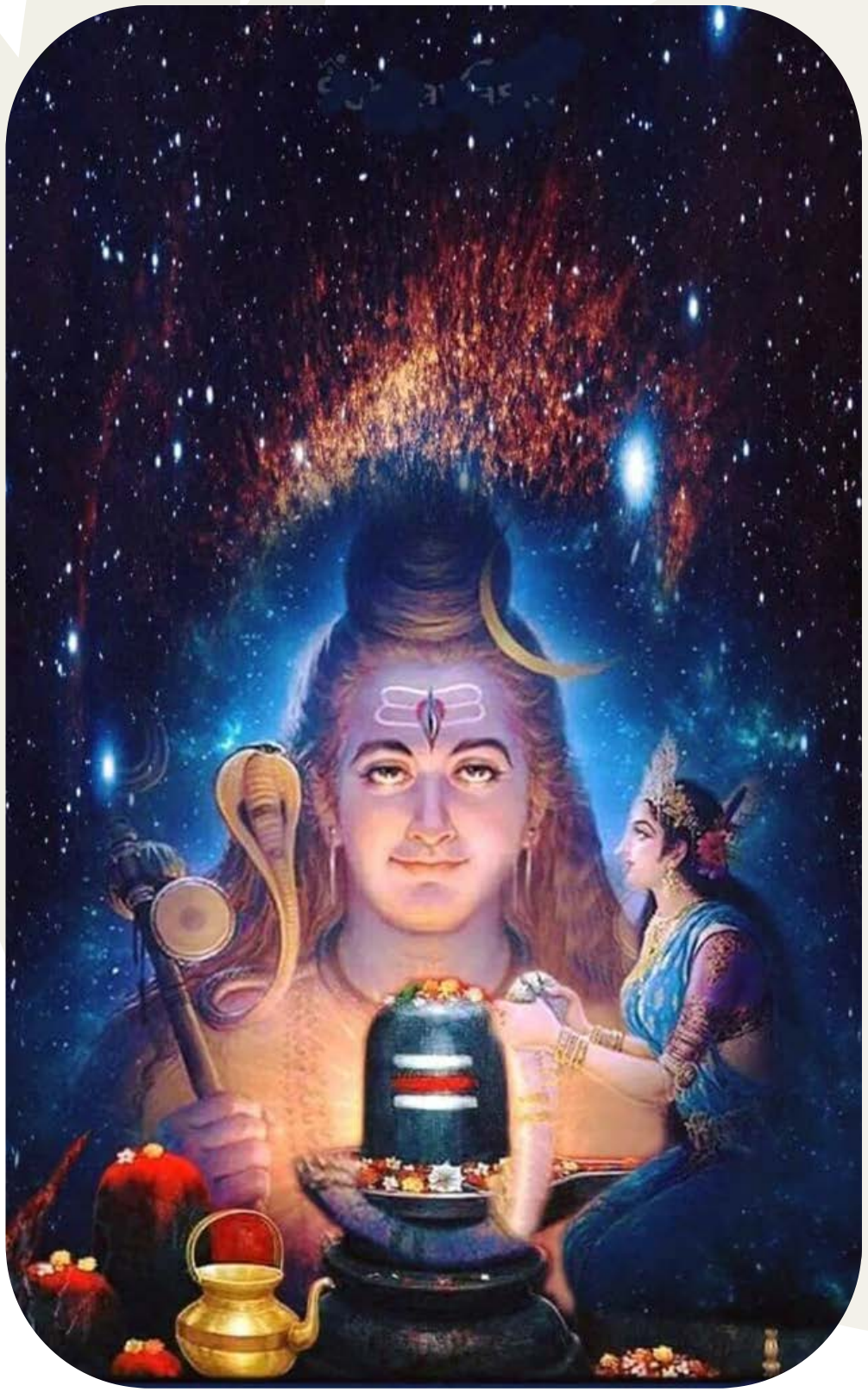

Shiva, for instance, was symbolised by the linga, although he was occasionally represented in human form too.

शिव को उनके प्रतीक लिंग के रूप में बनाया जाता था। लेकिन उन्हें कई बार मनुष्य के रूप में भी दिखाया गया है।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Early temple was a small square room, called the garbhagriha, with a single doorway for the worshipper to enter and offer worship to the image.

शुरू के मंदिर एक चौकोर कमरे के रूप में थे जिन्हें गर्भगृह कहा जाता था। इनमें एक दरवाज़ा होता था जिससे उपासक मूर्ति की पूजा करने के लिए भीतर प्रविष्ट हो सकता था।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

A tall structure, known as the shikhara, was built over the central shrine.

एक ऊँचा ढाँचा बनाया जाने लगा जिसे शिखर कहा जाता था।

Temple walls were often decorated with sculpture.

मंदिर की दीवारों पर अक्सर भित्ति चित्र उत्कीर्ण किए जाते थे।

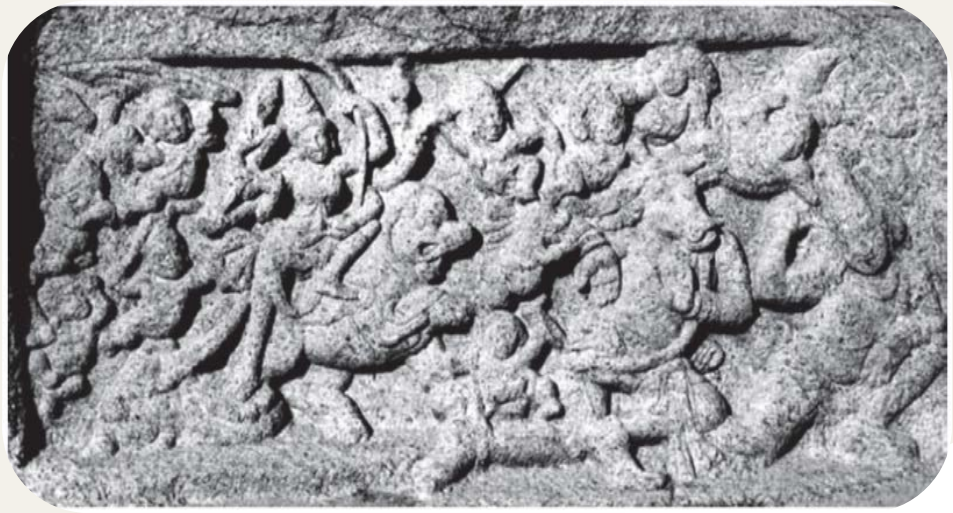

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Later temples became far more elaborate – with assembly halls, huge walls and gateways, and arrangements for supplying water

बाद के युगों में मंदिरों के स्थापत्य का काफ़ी विकास हुआ। अब मंदिरों के साथ विशाल सभास्थल, ऊँची दीवारें और तोरण भी जुड़ गए। जल आपूर्ति का इंतज़ाम भी किया जाने लगा।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

A temple in Deogarh (Uttar Pradesh), c. fifth century CE

एक मंदिर, देवगढ़ (उत्तर प्रदेश), पाँचवीं सदी

Early temples was that some of these were hollowed out of huge rocks, as artificial caves.

शुरू–शुरू के मंदिरों की एक खास बात यह थी कि इनमें से कुछ पहाड़ियों को काट कर खोखला करके कृत्रिम गुफाओं के रूप में बनाए गए थे।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Rich visual traditions that existed in the past – expressed in brick and stone architecture, sculpture and painting.

समृद्ध दृश्य परंपराओं की एक झलक मिल चुकी है। ये परंपराएँ ईंट और पत्थर से निर्मित स्थापत्य कला, मूर्ति कला और चित्रकला के रूप में हमारे सामने आई हैं।

Vishnu reclining on the serpent Sheshnag, sculpture from Deogarh (Uttar Pradesh), c. fifth century CE

शेषनाग पर आराम करते विष्णु की मूर्ति, देवगढ़ (उत्तर प्रदेश), पाँचवीं सदी

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Early Indian sculpture inferior to the works of Greek artists

प्रारंभिक भारतीय मूर्तिकला को यूनान की कला से निम्न स्तर का मानते थे

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

Discovered images of the Buddha and Bodhisattas that were evidently based on Greek models

बुद्ध और बोधिसत्त की मूर्तियों की खोज से वे काफ़ी उत्साहित हुए। ऐसा इसलिए हुआ कि ये मूर्तियाँ यूनानी प्रतिमानों से प्रभावित थीं।

HISTORY
THEM 04

THINKERS, BELIEFS AND BUILDINGS CULTURAL DEVELOPMENTS (C. 600 BCE - 600 CE)

विचारक, विश्वास और इमारतें सांस्कृतिक विकास (ईसा पूर्व 600 से ईसा संवत् 600 तक)

A Bodhisatta from Gandhara Note the clothes and the hairstyle.

गांधार का एक बोधिसत्त उनके कपड़ों और केश विन्यास पर ध्यान दीजिए।

Art historians often draw upon textual traditions to understand the meaning of sculptures. While this is certainly a far more efficacious strategy than comparing Indian images with Greek statues, it is not always easy to use.

मूर्ति का महत्त्व और संदर्भ समझने के लिए कला के इतिहासकार अक्सर लिखित ग्रंथों से जानकारी इकट्ठी करते हैं। भारतीय मूर्तियों की यूनानी मूर्तियों से तुलना कर निष्कर्ष निकालने की अपेक्षा यह निश्चय ही ज़्यादा बेहतर तरीका है।

Thank You So Much!